छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

आज दिनांक 25 जनवरी, 2006 को मध्याह्न 12.00 बजे कार्य परिषद् की बैठक सेन्टर फार एकेडमिक्स में सम्पन्न हुई । बैठक में निम्नलिखित सम्मानित सदस्यों ने भाग लिया :-

सर्वश्री

1.	प्रो0 एस0एस0 कटियार	कुलपति, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	अध्यक्ष
2	प्रो0 आभा अवस्थी	ए-1 सेक्टर-बी, अलीगंज, लखनऊ	सदस्य
3.	डा0 मुकुल चन्द्र पाण्डेय	353, त्रिवेणी नगर, लखनऊ	सदस्य
4.	डा0 कृष्णवीर सिंह कौशल	140, नार्थ [illegible] कालोनी (पुलिस लाईन के निकट) [illegible]	सदस्य
5.	डा0 पी0 के0 माथुर	अधिष्ठाता विज्ञान संकाय, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सदस्य
6.	प्रो0 एस0के0 श्रीवास्तव	अधिष्ठाता, व्यवसाय प्रबंध संस्थान सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सदस्य
7.	प्रो0 एल0सी0मिश्रा,	आचार्य, जीवन विज्ञान विभाग, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सदस्य
8.	डा0 भोला सिंह	प्राचार्य, डी0एन0 कालेज, फतेहगढ़	सदस्य
9.	डा0 एस0के0 कटियार	प्राचार्य, जी0एस0वी0एम0 मेडिकल, कानपुर	सदस्य
10.	डा0 रामानन्द प्रसाद	प्राचार्य, महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदोई	सदस्य
11	डॉ0 के0के0 बहल	उपाचार्य, जीवन विज्ञान विभाग, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सदस्य
12.	श्री विजय जायसवाल	प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सदस्य
13	डा0 ए0के0कपूर	भौतिक विज्ञान विभाग वी0एस0एस0डी0 कालेज, कानपुर	सदस्य
14	डा0 वी0डी0 सेमवाल	वनस्पति विज्ञान विभाग, डी0ए0वी0 कालेज, कानपुर	सदस्य
15.	श्री सुरेन्द्र सिंह वर्मा	वित्त अधिकारी, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0, कानपुर	पदेन सदस्य
16.	श्री महेश चन्द्र	कुलसचिव सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सचिव

कार्य विवरण -

सर्वप्रथम माननीय कुलपति जी ने उपस्थित समस्त सदस्यों का स्वागत करते हुये उन्हें नववर्ष की बधाई दी । माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय कार्यपरिषद में महामहिम कुलाधिपति जी द्वारा नामित सदस्य डा0 कृष्णवीर सिंह कौशल को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुये कार्यपरिषद से उनका परिचय कराया । कार्यपरिषद ने माननीय कुलपति जी को राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के अधिवेशन में उन्हे उत्कृष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार से विभूषित किये जाने, एसोसियेशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज के उपाध्यक्ष चुने जाने तथा डा0 राम मनोहर लोहिया विधि संस्थान, लखनऊ में निदेशक नियुक्त होने पर बधाई देते हुये नववर्ष की शुभकामनायें दी । उपस्थित समस्त सदस्यों ने माननीय कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय में कराये जा रहे विकास कार्यों तथा एकेडमिक एक्सीलेन्सी की दिशा में किये जा रहे कार्यों एवं विश्वविद्यालय को अन्तर्राष्ट्रीय क्षितिज पर स्थापित करने हेतु माननीय कुलपति जी द्वारा किये जा रहे प्रयासो की प्रशंसा की ।

कार्यपरिषद द्वारा विचारणीय मदों पर निम्नलिखित निर्णय लिया गया -

1. **कार्यपरिषद की सम्पन्न विगत बैठक दिनांक 21.09.2005 के कार्यवृत्त के सम्पुष्टिकरण पर विचार ।**

कार्यपरिषद पटल पर प्रस्तुत कार्यपरिषद की सम्पन्न विगत बैठक दिनांक 21.09.2005 में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन से अवगत होते हुये कार्यपरिषद द्वारा सर्वसम्मति से उसके कार्यवृत्त का सम्पुष्टिकरण करने का निर्णय लिया गया ।

2. भवन निर्माण समिति की सम्पन्न बैठक दिनांक 20.01.2006 में लिये गये निर्णयों के अनुमोदन पर विचार।

कार्यपरिषद पटल पर प्रस्तुत भवन निर्माण समिति की सम्पन्न बैठक दिनांक 20.01.2006 में लिये गये निर्णयों पर सम्यक् विचारोपरान्त कार्यपरिषद द्वारा सर्वसम्मति से उसका अनुमोदन करने का निर्णय लिया गया ।

3. **वित्त समित की सम्पन्न विगत बैठक दिनांक 23.01.2006 मे लिये गये निर्णयों के अनुमोदन पर विचार।**

कार्यपरिषद पटल पर प्रस्तुत वित्त समिति की सम्पन्न बैठक दिनांक 23.01.2006 मे लिये गये निर्णयों पर सम्यक् विचारोपरान्त कार्यपरिषद द्वारा सर्वसम्मति से उसका अनुमोदन करने का निर्णय लिया गया । वित्त अधिकारी द्वारा [illegible] आपत्तियो को निरस्तसंग्रहीत करने हेतु कार्यपरिषद ने उनकी प्रशंसा की ।

4. **शोध उपाधि हेतु मौखिकी परीक्षा सम्पन्न होने के उपरान्त परीक्षा समिति के निर्णय दिनांक 18.10.2005 एवं दिनांक 30.12.2005 के अनमोदन पर विचार।**

शोध उपाधि हेतु मौखिकी परीक्षा सम्पन्न होने के पश्चात कार्यपरिषद पटल पर प्रस्तुत योग्य घोषित 22 शोधार्थियों को शोध उपाधि से अलंकृत करने तथा मौखिक परीक्षा सम्पन्न होने के उपरान्त डा0 रजनीश पाण्डेय को डी0लिट् उपाधि हेतु तथा कुमारी पद्मा यादव को पी0एच-डी0 उपाधि हेतु अनर्ह पाये जाने के कारण शोध ग्रन्थ निरस्त किये जाने के परीक्षा समिति के निर्णय दिनांक 18.10.2005 को कार्यपरिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित करने निर्णय लिया गया ।

इसी प्रकार मौखिकी परीक्षा सम्पन्न होने के उपरान्त योग्य घोषित परिषद् पटल पर प्रस्तुत 74 शोधार्थियों को शोध उपाधि से अलंकृत करने की परीक्षा समिति के निर्णय दिनांक 30.12.2005 को कार्य परिषद् से सर्वसम्मति से अनुमोदित करने का निर्णय लिया गया ।

5. **उत्तर प्रदेश शासन उच्च शिक्षा अनुभाग-1 के पत्र संख्या - मु0म0-324/सत्तर-1-05(14)/92 टी0सी0 दिनांक 26 दिसम्बर, 2005 जो विश्वविद्यालय पनिनियम में उत्तम शैक्षणिक अभिलेख मे संशोधन प्रस्थापित किये जाने के सम्बन्ध में है का अनुपालन।**

कार्यपरिषद पटल पर प्रस्तुत उ0प्र0 शासन उच्च शिक्षा अनुभाग-1 का पत्रांक मु0म0-324/सत्तर-1-05(14)/92 टी0सी0 दिनांक 26 दिसम्बर, 2005 जो विश्वविद्यालय परिनियम में उत्तम शैक्षणिक अभिलेख मे संशोधन प्रस्थापित किये जाने के सम्बन्ध में है पर समयक् विचारोपरान्त कार्यपरिषद द्वारा विश्वविद्यालय परिनियम में यथास्थान संशोधन प्रस्थापित करने का निर्णय लिया गया ।

6. **विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ग्रन्थालय हेतु कैटलागर पद पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की संस्तुति के अनुमोदन पर विचार।**

विश्वविद्यालय में केन्द्रीय ग्रन्थालय में रिक्त कैटलागर पद पर नियुक्ति हेतु गठित चयन समिति द्वारा की गयी संस्तुति से सम्बन्धित लिफाफा कार्यपरिषद के समक्ष खोला गया । चयन समिति द्वारा उक्त पद पर नियुक्ति हेतु निम्नलिखित अभ्यर्थियों की संस्तुति की गयी -

1. सुश्री प्रगति सिंहानिया — अनुसूचित जाति

प्रतीक्षा सूची

श्री रामनरेश इन्दोनिया — अनुसूचित जाति

2. श्री शिशिर [illegible] — सामान्य

कार्यपरिषद द्वारा चयन समिति के उपरोक्त संस्तुति का सर्वसम्मति से अनुमोदन करने का निर्णय लिया गया ।

7. **नवीन सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों का अनुसमर्थन।**

नवीन सशर्त सम्बद्धता प्राप्त 52 महाविद्यालयों की सूची तथा नवीन सम्बद्धता प्राप्त 41 महाविद्यालयों की सूची कार्यपरिषद पटल पर प्रस्तुत किया गया जिसमें अवलोकनोपरान्त कार्यपरिषद द्वारा उसे अनुसमर्थन करने का निर्णय लिया गया ।

8. **सम्बद्धता से सम्बन्धित मानक न पूरा करने वाले महाविद्यालयों (i) सरस्वती महिला महाविद्यालय, विजय नगर, कानपुर (बी0एड0 पाठ्यक्रम)(ii) शहीद भगत सिंह महाविद्यालय बिठूर कानपुर(बी0एड0 पाठ्यक्रम) (iii) डी0एस0अवस्थी महाविद्यालय बर्रा कानपुर (iv) अभिनव सेवा संस्थान महाविद्यालय राजीवपुरम कानपुर(बी0एड0 पाठ्यक्रम) की उ0प्र0 राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(8) के अधीन कार्यवाही किये जाने पर विचार।**

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की अवस्थापना सुविधाओं की जॉच हेतु कुछ महाविद्यालयों की जॉच हेतु आकस्मिक निरीक्षण कराया गया । निरीक्षण दल ने कुछ महाविद्यालयों में अवस्थापना सम्बन्धी अनेक प्रकार की कमियॉ पायी । कार्यपरिषद पटल पर प्रस्तुत अवस्थापना सम्बन्धी वर्णित कमियों के कारण कार्यपरिषद द्वारा उ0प्र0 राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 37(8) के अन्तर्गत सर्वसम्मति से निम्नलिखित महाविद्यालयों की सम्बद्धता वापसी हेतु महामहिम कुलाधिपति जी से अनुशंसा करने का निर्णय लिया ।

(i) सरस्वती महिला महाविद्यालय, विजय नगर, कानपुर (बी0एड0 पाठ्यक्रम)
(ii) शहीद भगत सिंह महाविद्यालय बिठूर कानपुर(बी0एड0पाठ्यक्रम)
(iii) डी0एस0अवस्थी महाविद्यालय बर्रा कानपुर
(iv) अभिनव सेवा संस्थान महाविद्यालय राजीवपुरम कानपुर(बी0एड0 पाठ्यक्रम)

9.(i) **विश्वविद्यालय परिसर में अवैध निर्माण करने वाले कर्मचारियों पर आर्थिक दण्ड लगाने पर विचार।**

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यपरिषद के संज्ञान में लाया गया कि विश्वविद्यालय मे निर्मित आवासीय परिसर में रहने वाले कर्मचारियों द्वारा आवंटन आदेश में उल्लिखित शर्तो का उल्लंघन कर अवैध निर्माण कराया जा रहा है ।

कार्यपरिषद द्वारा उक्त प्रकरण को गम्भीरता पूर्वक लेते हुये विश्वविद्यालय परिसर मे अवैध निर्माण को निवारित करने हेतु सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिया गया

1. अवैध कब्जाधारी अथवा अवैध निर्माण करने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियो से रूपये 500/- प्रति कमरा की दर से न्यूनतम रूपये 500/- प्रतिमाह तथा तृतीय श्रेणी कर्मचारियो से रूपये 750/- प्रतिकमरा की दर से न्यूनतम रूपये 1000/- प्रतिमाह की दर से अवैध निर्माण की तिथि से आर्थिक दण्ड लगाया जाय ।
2. दो माह तक यदि सम्बन्धित कर्मचारी द्वारा अवैध निर्माण या अवैध कब्जा नहीं हटाया जाता है तो उसका आवंटन निरस्त कर दिया जाय ।

(ii) **विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित दीन दयाल शोध केन्द्र के मानद् निदेशक डा0 सोम नारायण शुक्ला के निष्क्रियता एवं लगातार अनुपस्थित रहने के प्रकरण पर विचार -**

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यपरिषद के संज्ञान में लाया गया कि डा0 सोम नारायण शुक्ला की नियुक्ति दीन दयाल शोध केन्द्र में अवैतनिक निदेशक के रूप में दिनांक 17.12.1999 को की गयी थी । डा0 शुक्ला द्वारा विगत तीन वर्षो से शोध केन्द्र की कोई प्रगति आख्या प्रस्तुत नही की गयी है तथा विगत कई महीने से कार्यालय भी नही आ रहे है। उक्त प्रकरण की जॉच हेतु माननीय कुलपति जी द्वारा एक समिति का गठन किया गया जिसके सदस्य डा0 सी0पी0 सिंह, निदेशक, महात्मा गान्धी अन्तर्राष्ट्रीय विकास परिषद तथा प्रो0 [illegible] अध्यक्ष [illegible] दयाल शोध केन्द्र के कार्यों में [illegible] तथा उनके लगातार अनुपस्थित रहने का [illegible] अपने जॉच रिपोर्ट में दी ।

डा0 सोमनारायण शुक्ला के मानद् निदेशक के रूप में उनकी निष्क्रियता एवं माह [illegible] से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण शोध केन्द्र का कार्य लगभग बन्द हो चुका है ।

उक्त तथ्यो को संज्ञान में लेते हुये कार्यपरिषद द्वारा सर्वसम्मति से दीन दयाल शोध केन्द्र में मानद् निदेशक के पद पर डा0 सोम नारायण शुक्ला की नियुक्ति को तात्कालिक प्रभाव से निरस्त करने का निर्णय लिया गया तथा सुझाव दिया गया कि प्रोफेसर [illegible] पद विज्ञापित कराकर शोध केन्द्र को और सक्रिय बनाया जाय ।

(iii) **विश्वविद्यालय के बाइसवे दीक्षान्त समारोह के आयोजन के सम्बन्ध में सूचना -**

विश्वविद्यालय के बाइसवें दीक्षान्त समारोह के सम्बन्ध में माननीय कुलपति जी [illegible] कार्य-परिषद् को अवगत कराया कि दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने के सम्बन्ध में कार्य-परिषद् की बैठक दिनांक 10.01.2005 में आवश्यक निर्णय लिये जा चुके है । दीक्षान्त समारोह का आयोजन शीघ्र ही किया जायेगा ।

(iv) **विश्वविद्यालय के कुलपति पद का चयन सर्च कमेटी में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि नामित किये जाने पर विचार -**

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से उक्त प्रस्ताव कार्य-परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया गया । जिसके सम्बन्ध में प्रो0डी0पी0 अग्रवाल, सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) नई दिल्ली को कुलपति पद पर चयन हेतु सर्च कमेटी में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में नामित करने का प्रस्ताव आया जिस पर सम्यक् विचारोपरान्त कार्य-परिषद् द्वारा उक्त प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित करने का निर्णय लिया गया।

अन्त मे माननीय कुलपति जी को धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई ।

27/01/06
(प्रो0एस0एस0कटियार)
अध्यक्ष / कुलपति

27/01/06
(महेश चन्द्र)
सचिव / कुलसचिव